सितम्बर - 2024

माननीय विधायकों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम ई-विधान एप्लीकेशन (NeVA)

17 और 18 अगस्त 2024 को ओड़िशा विधान सभा (ओएलए) के माननीय सदस्यों के लिए दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम नए सम्मेलन हॉल में आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम का उद्घाटन भारत सरकार के माननीय केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने किया।

उद्घाटन के बाद, माननीय सदस्यों के लिए राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन (एनईवीए) पर एक ओरिएंटेशन सत्र आयोजित किया गया। एसआईओ, ओड़िशा ने एनईवीए की मूल अवधारणा और उपयोगिता पर माननीय सदस्यों को समझाया। एनईवीए, नई दिल्ली के एचओडी श्री संजीव ने नेवीए के विभिन्न मॉड्यूल प्रस्तुत किए, जिनमें व्यवसाय की सूची, प्रश्न, सिमितयां, बहस, विधेयक, रखे गए कागजात, बजट और नोटिस शामिल थे। उन्होंने सदस्यों की जानकारी, हाउस कैलेंडर और राज्यपाल के संबोधन जैसी अन्य विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए डिजिटल हाउस के महत्व और ई-बुक्स के प्रारूप पर भी चर्चा की।

माननीय सदस्यों सक्रिय रूप से चर्चा में शामिल हुए , नेवीए अनुभव को बढ़ाने के लिए मूल्यवान इनपुट की पेशकश की, जैसे कि देश के अन्य विधान सभाओं में उन्नत खोज कार्यक्षमता, वेबकास्टिंग पर नियंत्रण, और राज्य पीएमयू में कुछ डेटा अद्यतन भूमिकाओं का विस्तार करना। सत्र की अध्यक्षता ओडिशा विधान सभा के माननीय उपाध्यक्ष श्री भबानी शंकर भोई ने की।



शीघ्रता से गतिमान होने के लिए ओड़िशा में eOffice V7.x पर स्थानांतरित हो गया

2015 और 2016 के बीच शुरू में तैनात किए गए ई-ऑिफस के कुल दस (10) इन्स्टंसेस V5.0 से V6.3.1 तक के पुराने संस्करणों पर काम कर रहे थे। इन पुराने संस्करणों में, अपलोड किए गए दस्तावेज़ लिनक्स फ़ाइल सिस्टम में संग्रहीत किए गए जाते थे, जिससे दस्तावेज़ों की मात्रा बढ़ने के कारण डेटा पुनर्प्राप्ति धीमी पड़ने लगी।

इन समस्याओं का हल करने के लिए, नवीनतम संस्करण, V7.x, एक आधुनिक उपयोगकर्ता इंटरफ़ेस (यूआई), उन्नत उपयोगकर्ता अनुभव (यूएक्स) और MongoDB का उपयोग करके बेहतर दस्तावेज़ प्रबंधन के साथ विकसित किया गया। इसके अतिरिक्त, वेब सेवाओं के लिए Redis, Kafka और Nginx प्रौद्योगिकियों के एकीकरण के माध्यम से शीघ्र गित हासिल की गई।

उपयोगकर्ता के अनुरोध पर, ओड़िशा के ईऑफिस इंस्टेंसेस का माइग्रेशन 22 मई 2024 से 22 अगस्त 2024 तक निर्धारित किया गया था। प्री-माइग्रेशन गतिविधियों में आवश्यक पोर्ट ओपनिंग को कॉन्फ़िगर करने के साथ-साथ नोट शीट, पीडीएफ, उपयोगकर्ता और ड्राफ्ट की गिनती जैसे कार्य शामिल थे।

माइग्रेशन प्रक्रिया पीआईएमएस मॉड्यूल के साथ शुरू हुई, इसके बाद ईएमडी, ईफाइल, एमडीएम, एमआईएस, ऑडिट, नोट शीट, पीडीएफ और अन्य मॉड्यूल आए। इन घटकों को सफलतापूर्वक स्थानांतरित करने के बाद, एप्लिकेशन को पुनः तैनात किया गया। प्रत्येक उदाहरण के माइग्रेशन में लगभग 48 से 72 घंटे लगे। माइग्रेशन के बाद, माइग्रेशन से पहले की टिप्पणियों को सत्यापित किया गया और उपयोगकर्ताओं को माइग्रेट किए गए डेटा की सटीकता की पुष्टि करने के लिए कहा गया।

नए V7.x संस्करण में कई सुविधाएँ शामिल हैं, जिनमें बहु-भाषा त्वरित नोटिंग, येलो नोट्स में संलग्नक, ड्राफ्ट में बहु-साइन, ड्राफ्ट में स्याही-हस्ताक्षरित प्रतियां, एक उपयोगकर्ता पता पुस्तिका, इनबॉक्स/इनबॉक्स फ़ोल्डरों से भाग फ़ाइलों का निर्माण शामिल है। सूचियाँ बनाई गईं, पिछले नोट्स को संदर्भित किया गया, संदर्भ मेनू का उपयोग करके नोटिंग में पैराग्राफ और पत्राचार को जोड़ा गया, और एक स्प्लिट व्यू सुविधा जो उपयोगकर्ताओं को वर्तमान नोट्स पर निर्णय लेते समय पिछले नोट्स, पत्राचार, ड्राफ्ट और संदर्भों को एक साथ देखने की अनुमित देती है।

सरकारी उपभोक्ता प्रबंधन प्रणाली (जीसीएमएस) का शूभारंभ

भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय के सहयोग से विकसित जीसीएमएस वेब और मोबाइल एप्लिकेशन; पंचायती राज एवं पेयजल विभाग, ओड़िशा सरकार; एनआईसी; और टाटा पावर को आधिकारिक तौर पर माननीय उप मुख्यमंत्री और कृषि, किसान सशक्तिकरण और ऊर्जा मंत्री श्री कनक वर्धन सिंह देव द्वारा लॉन्च किया गया। यह कार्यक्रम 13 अगस्त 2024 को लोकसेवा भवन, भुवनेश्वर में श्री रवि नारायण नायक, ओड़िशा के माननीय कैबिनेट मंत्री, पंचायती राज और पेयजल और ग्रामीण विकास, की उपस्थिति में किया गया।

इस लॉचिंग कार्यक्रम के बाद , टाटा पावर की पावर बिलिंग और भुगतान प्रणाली के साथ एनआईसी के ईग्रामस्वराज एप्लिकेशन को एकीकृत करने वाला ओड़िशा भारत का पहला राज्य बन गया। यह एकीकरण राज्य भर में 6,794 ग्राम पंचायतों को विभिन्न उद्देश्यों के लिए अपने बिजली बिलों का ऑनलाइन भुगतान करने की अनुमित देता है। इस पहल से पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) के लिए बिल भुगतान को सरल बनाने और डिस्कॉम को लंबित भुगतानों को बेहतर ढंग से ट्रैक करने में सक्षम बनाने की उम्मीद है।

ओड़िशा के सफल प्रयासों को मान्यता देते हुए, भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय ने सभी राज्यों को अपने संबंधित राज्य डिस्कॉम के साथ eGramSwaraj पोर्टल को एकीकृत करने के लिए प्रोत्साहित किया है।



बिहार राज्य परिवहन अनुपालन और प्रशासन को बढ़ाने के लिए ईडिटेक्शन परियोजना लागू किया

4 अगस्त 2024 को, बिहार ने ईडिटेक्शन परियोजना के शुभारंभ के साथ अपने परिवहन प्रशासन को मजबूत करने की दिशा में एक अग्रणी कदम उठाया। इस पहल का उद्देश्य फिटनेस प्रमाणपत्र (एफसी), कर रसीदें, परिमट, बीमा, प्रदूषण निकासी जैसे आवश्यक वैध दस्तावेजों की कमी वाले वाहनों को लक्षित करके और गैर-परिचालन या ब्लैकिलिस्टेड वाहनों की पहचान करके राज्य के भीतर चलने वाले वाहनों के बीच सख्त अनुपालन सुनिश्चित करना है।

केवल एक सप्ताह में, 7 अगस्त से 15 अगस्त तक, बिहार में अधिकारियों ने राज्य भर के 13 टोल प्लाजा पर स्थापित ई-डिटेक्शन सिस्टम के माध्यम से 9.49 करोड़ रुपये की राशि के 16,755 से अधिक ई-चालान जारी किए।

अगस्त के अंत तक 32 टोल प्लाजा पर हाई-रेजोल्यूशन वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। एक बार ई-चालान जारी होने के बाद, यातायात उल्लंघन का पता चलने पर वाहन मालिक के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एक पृष्टिकरण संदेश स्वचालित रूप से भेजा जाता है।



29 अगस्त तक कुल 17.65 करोड़ रुपये के 18,854 चालान जारी किए गए हैं। सरकार एनआईसी के सहयोग से इस प्रणाली को राज्य भर के सभी टोल प्लाजा पर लागू करने पर काम कर रही है।





सरकारी उपभोक्ता प्रबंधन प्रणाली (जीसीएमएस) की कार्यप्रणाली पर वीडियो डॉक्यमेंटी

पुरस्कार और प्रशंसा 🧿

उद्यम अनुप्रयोगों के तहत ३६वां प्रौद्योगिकी सभा उत्कृष्टता पुरस्कार



ओड़िशा सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, भुअर्जन (भूमि अधिग्रहण) प्रणाली द्वारा प्राप्त उद्यम अनुप्रयोगों के तहत ३६वां प्रौद्योगिकी सभा उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया ट्रॉफी के साथ श्री देवरंजन कुमार सिंह, आईएएस, अवर मुख्य सचिव और एनआईसी टीम



ओड़िशा के वाणिज्य एवं परिवहन विभाग, सरकार के ई-डिटेक्शन सिस्टम द्वारा प्राप्त उद्यम अनुप्रयोगों के तहत ३६वां प्रौद्योगिकी सभा उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया। ट्रॉफी के साथ श्री अमिताभ ठाकुर, आईपीएस, परिवहन आयुक्त, ओड़िशा और श्री पी.के. नायक, वरिष्ठ निदेशक (आईटी) और एनआईसी राज्य परिवहन समन्वयक।



ओड़िशा के पंचायती राज एवं पेयजल विभाग, सरकार की ई-पंचायत सभा प्रणाली द्वारा प्राप्त उद्यम अनुप्रयोगों के तहत ३६वां प्रौद्योगिकी सभा उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया। ट्रॉफी के साथ एसआईओ, ओड़िशा, एनआईसी ई-पंचायत सभा परियोजना समन्वयक और विकास टीम

एन. आई. सी पैनोरमा 🧿

'एक पेड़ माँ के नाम' - राज्य केंद्र के साथ-साथ एनआईसी ओडिशा के सभी जिला केंद्रों में वृक्षारोपण अभियान



प्रेमपूर्ण रमृति में

शोक वार्ता



श्री बेबिन मिश्र

03.09.1980 - 29.08.2024

यह अत्यंत दुःख की बात है और, हमें यह बताते हुए खेद हो रहा है कि एनआईसी ओड़िशा राज्य केंद्र, भुवनेश्वर में कार्यरत श्री बेबिन मिश्र,वैज्ञानिक-सी, कर्मचारी. कोड: 6708, अब हमारे बीच नहीं रहे, गंभीर बीमारी के चलते 29 अगस्त 2024 को उनकी मृत्यु हुई ।

श्री बेबीन मिश्र का पार्थिव शरीर पर एनआईसी के सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

हम सर्वशक्तिमान ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वह शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।



विदाई सभा



श्रीमती सैताबाता प्रस्टी, वैज्ञानिक-एफ (वरिष्ठ निदेशक (आईटी)), को उनकी सेवानिवृत्ति की पर

श्री दिल्य कीर्ति बाजपेयी, वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-बी को एनआईसी, यूपी में उनके स्थानांतरण की पर उनकी वर्षों की समर्पित एवं अनुकरणीय सेवा के लिए हमारी हार्दिक श्रद्धांजलि एवं सम्मान